शिक्षक - रवि शंकर राय
दिनांक - 04-08-2020

विषय - अर्थशास्त्र (Third lecture)
वर्ग - B.A-II

रहा है कि इस बार विनिर्माण और सेवाक्षेत्र को विभाजित नही किया गया है। अब दोनो क्षेत्र के लिए निवेश के साथ - साथ वार्षिक Turnover भी देखा जायेगा जो इस प्रकार है :—

निर्माण क्षेत्र और सेवा क्षेत्र दोनो के लिए :—

* सूक्ष्म उद्योग — एक करोड़ तक का निवेश सालाना Turnover 5 करोड़ तक।
* लघु उद्योग :- 10 करोड़ तक का निवेश और सालाना Turnover 50 करोड़ तक।
* माध्यम उद्योग — 20 करोड़ तक निवेश और सालाना Turnover 100 करोड़ तक

लघु उद्योग के उदाहरण —

→ अगरबत्ती बनाना
→ मोमबत्ती बनाना
→ साबुन, तेल आदि ~~हर्बल~~ हर्बल बनाना
→ कपड़े और चमड़े का बैग बनाना
→ मसाला बनाना
→ डिस्पोजेबल कप-प्लेट बनाना
→ अल्युमीनियम से बने हुए सामग्री बनाना
→ वॉल पेपर बनाना
→ पेपर बैग बनाना

□ लघु उद्योग का महत्व —

लघु उद्योग बेरोजगारो को रोजगार प्रदान कर भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत मे अपना

महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत जैसे विकासशील देश में यह उद्योग रोजगार का एक प्रमुख स्रोत माना जाता है। इस क्षेत्र का सबसे खास बात यह है कि यहाँ रोजगार क्षमता निम्नतम पूंजी-लागत पर है।

लघु उद्योग इस लिए भी आवश्यक हैं क्यो कि इसके जरिये देश कि परम्परागत प्रतिभा और कला की भी रक्षा हो सके। इसके साथ ही निर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देना और निर्यात के क्षेत्र में भी इसका अहम भूमिका है। भारत से लगभग निर्यात होने वाली आधे-माल इन उद्योगों द्वारा निर्मित या उत्पादित किए जाते हैं। अतः हम कह सकते हैं कि यह हमारे देश की सामाजिक वृद्धि और विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

□ यह क्यो महत्वपूर्ण है —

→ आत्मनिर्भरता के लिए -
→ क्षेत्रीय असंतुलन को संतुलन करने के लिए
→ रोजगार का अवसर प्रदान करना।
→ कम विकसित क्षेत्रों को विकसित करने में मदद करना।
→ कम लागत पर उत्पादन करना और नवीनतम तकनीक को अपनाना।

□ लघु उद्योग के फायदे –

कोई भी व्यक्ति इसे कम पूँजी में शुरु कर सकता है इसके साथ ही इस उद्योग के लिए सरकार द्वारा चलायी गयी योजनाओं का लाभ भी ले सकते हैं जैसे – प्रधान मंत्री मुद्रा योजना। इस उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार के द्वारा सब्सिडी भी उपलब्ध है। इसमें कम लागत में अच्छी कमाई की संभावना होती है।

सरकार के द्वारा प्रदान की जाने वाली कई योजनाओं, सब्सिडी और अन्य प्रोत्साहनों का लाभ लेने के लिए SSI (Small Scale Industries) registration करना चाहिए। यह MSME मंत्रालय द्वारा प्रदान किया पंजीकरण है। इसे आप online भी प्राप्त कर सकते हैं। इसके तहत उत्पाद शुल्क में छूट, कम दर में ब्याज, योजना कर सब्सिडी और अन्य कई तरह के लाभ उपलब्ध हो सकते हैं। चूँकि यह पंजीकरण वैकल्पिक है किन्तु आप छूट प्राप्त करना चाहते हैं तो यह पंजीकरण जरुरी है। इसके जरिये उन्हे ऋण लेने में भी आसानी होती है।

MSME में उद्योग का पंजीकरण होने के पश्चात कई लाभ प्राप्त होते हैं जैसे – व्यवसाय के लिए ऋण की प्राप्ति कम ब्याज दर पर आसानी से उपलब्ध हो सकती हैं, कर लाभ, सरकारी लाइसेंस, और प्रमाणीकरण आसानी से जल्दी प्राप्त होना आदि।

MSME (Micro, Small, Medium Enterprises.